मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 28, मुंबई, सोमवार, 21 फरवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

दैनिक मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

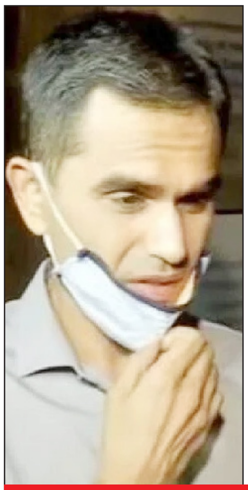

महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार ने समीर वानखेड़े को दिया एक और... झटका

'नाकाबिल' समीर वानखेड़े को मिला था बार लाइसेंस

शराब व्यवसाय के बारे में गलत जानकारी देने के आरोप में केस दर्ज

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे पुलिस ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई क्षेत्र के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ केस दर्ज किया है। उनके ऊपर एक होटल और बार का लाइसेंस हासिल करने में कथित धोखाधड़ी का आरोप लगा है। जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर ने नवी मुंबई स्थित होटल और बार का यह लाइसेंस रद्द करते हुए दावा किया था कि इसे गलत जानकारी देकर और धोखाधड़ी करके हासिल किया गया था। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

होटल का लाइसेंस पहले ही रद्द हुआ

इस दौरान ठाणे जिलाधिकारी ने 2 फरवरी को ही समीर वानखेड़े के नाम से चल रहे सदगुरु बार और रेस्टोरेंट का लाइसेंस रद्द कर दिया है। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। यह बार और रेस्टोरेंट नवी मुंबई के वाशी में स्थित है।

1997 में लिया गया था परमिट, सरकारी नौकरी के बावजूद था बार लाइसेंस

मलिक ने यह भी कहा था कि सरकारी नौकरी में होने के बावजूद वानखेड़े के पास परमिट रूम चलाने का लाइसेंस है, जो सेवा नियमों के खिलाफ है। वानखेड़े ने तब मंत्री के दावों को खारिज कर दिया था। राज्य के आबकारी विभाग ने बाद में वानखेड़े को 'बार' के लाइसेंस के संबंध में नोटिस जारी किया था। इससे पहले, एक अधिकारी ने बताया था कि नोटिस पर वानखेड़े के जवाब और मामले की जांच के बाद, जिलाधिकारी इस नतीजे पर पहुंचे कि वानखेड़े ने 27 अक्टूबर, 1997 को लाइसेंस प्राप्त किया था, जब उनकी आयु 21 साल की मान्य उम्र के बजाय 18 साल से कम थी।

वर्सोवा यारी रोड की मदीना मस्जिद पर बजरंग दल वालों ने किया हंगामा

मुंबई। वर्सोवा यारी रोड अंधेरी, स्थित 'मदीना मस्जिद' एक ऐसा लैंडमार्क है, जहां बहुत सारे फिल्मों के कलाकार लोग रहते हैं, एक पॉश इलाके, जहां के हिंदू मुस्लिम समुदाय के लोग एक परिवार की तरह मिल जुल कर रहते हैं, यहां के लोगों की मित्रता की मिसाल दी जाती है, लेकिन कुछ लोगों को यह शांतिपूर्ण तरीके से रहते हुए देखा नही जा रहा है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

मुंबई पुलिस आयुक्त हेमंत नागराले से अपील है कि यहां के हिंदू मुस्लिम समुदाय के लोग जो बरसों से एक दूसरे से भाईचारे के साथ रहे रहे हैं वे चाहते हैं कि इस प्रकार की दुर्घटना भविष में ना हो, यहां की शांति भंग करने वाले लोगों का पर्दाफाश हो, उन के असली चेहरे जनता के सामने आए, और उन्हें कानून भंग करने की कड़ी से कड़ी सजा मिले।

ठाणे के बाद अब पालघर में बर्ड फ्लू के मामले

अधिकारियों का दावा- अभी स्थिति गंभीर नहीं

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बर्ड फ्लू का मामला सामने आने के कई दिन बाद अब पड़ोसी जिले पालघर के वसई विरार इलाके में मुर्गी पालन केंद्र की मुर्गियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

ठाणे में हुई थी 100 पक्षियों की मौत

इस हफ्ते की शुरूआत में ठाणे जिले के शाहपुर तहसील स्थित वेहलोली गांव के पोल्ट्री फार्म में करीब 100 पक्षियों की मौत हुई थी। इनके सैंपलों की जांच में उन्हें बर्ड फ्लू होने की पुष्टि हुई थी। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद जिला प्रशासन ने एक किलोमीटर के दायरे में मौजूद मुर्गी पालन केंद्रों की करीब 25 हजार पक्षियों को मारने का आदेश दिया था।

हमारी बात

आतंकियों को सजा

कई बार फैसला जब तक आता है, बहुत सी यादें धुंधली पड़ जाती हैं। शुक्रवार को विशेष अदालत ने जब अहमदाबाद में 2008 के बम धमाकों के दोषियों को सजा सुनाई, तो लोगों को यह याद दिलाना पड़ा कि उस दिन कितनी बड़ी तबाही गुजरात के उस शहर ने देखी थी। 26 जुलाई की शाम एक के बाद एक, 70 मिनट के भीतर शहर के अलग-अलग हिस्सों में 21 धमाके हुए थे, जिनमें 56 लोगों की जान चली गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। षड्यंत्र का पदार्फाश करने में हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने ज्यादा वक्त नहीं लगाया और एक साल के भीतर ही मामले में मुकदमा दायर हो गया। शुरू में इसे लेकर विभिन्न लोगों पर तकरीबन 35 मामले दायर हुए थे और बाद में इन सभी मामलों को जोड़ दिया गया। कुल 78 लोगों को आरोपी बनाया गया और अब जब 13 साल की अदालती कार्यवाही के बाद फैसला आया है, तो इनमें से 38 लोगों को मृत्युदंड दिया गया और 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। यह भी बताया जा रहा है कि भारत के पूरे इतिहास में एक साथ इतने लोगों को मृत्युदंड की सजा कभी नहीं सुनाई गई। जितना जघन्य वह षड्यंत्र था, उसे देखते हुए इस फैसले पर ज्यादा हैरत नहीं होती। फैसले के तुरंत बाद अहमदाबाद से एक तस्वीर आई, जिसमें कुछ लोग अपने हाथ में प्लेकार्ड लिए हुए हैं। एक में कहा गया है, मानवता जीती और आतंकवाद हारा, दूसरे पर लिखा है- पीड़ित परिवारों को मिला न्याय। निस्संदेह, लोगों को न्याय मिला है। ऐसे फैसले व्यवस्था पर हमारी आस्था को भी बढ़ाते हैं। लेकिन इस बात को भी याद रखना होगा कि इस फैसले तक पहुंचने में 13 साल लगे। वह भी तब, जब मामला एक ऐसी विशेष अदालत में था, जिसे त्वरित न्याय के लिए बनाया गया था। और अब भी जो फैसला मिला है, वह अंतिम नहीं है। इसके खिलाफ अभी ऊपरी अदालतों में अपील होगी। जब तक अंतिम फैसला आएगा, और भी देर हो चुकी होगी। बेशक, अगर हम पुराने समय से तुलना करें, तो आतंकवाद के मामलों में अब फैसले अपेक्षाकृत जल्दी होने लगे हैं। इसके बावजूद जो समय लग रहा है, उसे लेकर संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। 13 साल की यह अवधि सिर्फ आतंकवाद ही नहीं, किसी भी आम दीवानी या फौजदारी मामले के हिसाब से भी काफी लंबी है, और किसी तरह से स्वीकार करने लायक नहीं है। विशेष अदालतों के जरिये त्वरित न्याय की जो भी कोशिशें की गई हैं, उनके कुछ एक नतीजे भी देखने को मिले हैं। लेकिन दिक्कत यह है कि हमारी पूरी न्याय-प्रक्रिया इतनी धीमी है कि त्वरित अदालतें भी उसकी प्रवृत्तियों से बच नहीं पातीं। हालांकि, इस मामले में विभिन्न जेलों में बंद आरोपियों की वीडियो के जरिये पेशी का रास्ता अपनाया गया। बेशक, यह महामारी को देखते हुए किया गया था, लेकिन अगर ऐसा न होता, तो शायद वक्त और लगता। अच्छी बात यह भी रही कि अदालत ने अपने फैसले को सिर्फ सजा देने तक सीमित नहीं रखा। उसने विस्फोटों में मारे गए लोगों के परिजनों को एक लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को 50 हजार रुपये और बाकी घायलों को 25 हजार रुपये का मुआवजा देने का निर्णय भी सुनाया। अब जरूरत यही है कि इस फैसले से आगे सब कुछ त्वरित गति से हो।

आश्चर्य! भाजपा के खिलाफ ऐसा भौकाल!

मोदी और योगी का चेहरा, उनका जादू, ताकत, संसाधन, मीडिया कंट्रोल सब कुछ भाजपा के पास लेकिन बावजूद इसके जिधर भी बात करो सब तरफ से खबर कि भाजपा हार रही है। क्या यह मेरे परिचितों-संपर्कों, सूचना सोर्स के इकोसिस्टम का भौकाल है या रियलिटी है? पता नहीं। मेरा आश्चर्य भौकाल की सघनता पर है। मोदी-शाह-योगी की मशीनरी के बावजूद कैसे इतना हल्ला? निश्चित ही भाजपा इस भौकाल से हैरान-परेशान होगी। मोदी-शाह की खूबी है, जो लड़ाई में आखिरी वोट तक न कोशिशों में कमी रखते हैं और न पासा पलटने के इनमें हुनर कम हैं। बावजूद इसके चुनाव से पहले जैसा भरोसा था वह क्या अब होगा?

सो, समय चक्र का फेर है, जो पिछले कुछ महीने से नरेंद्र मोदी के सियासी फैसले उलटे पड़ रहे हैं। फिर भले मुख्यमंत्री बदलने जैसे फैसले हों या यूपी में हालात दुरूस्त करने की कोशिश रही हो। वे सोचते क्या हैं और हो क्या रहा है? मोदी को यूपी में योगी आदित्यनाथ के कारण लोगों में नाराजगी का भान हो गया था। लखनऊ की कमान में बहुत कुछ बदलने का इरादा बनाया था लेकिन आखिर में योगी के साथ हाथ उठाए जनता में दोनों के डबल इंजन का मैसेज बनाते हुए थे। ऐसे ही मौजूदा विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट कटने थे लेकिन ऐन वक्त अखिलेश यादव के यहां भाजपा नेताओं की भगदड़ से इरादा बदलना पड़ा। ऐसा ही उत्तराखंड में हुआ, पंजाब व गोवा में हुआ। सभी दांव उलटे पड़े और तभी कहीं से यह सुनने को नहीं मिल रहा है कि भाजपा की हवा है! सवाल है भाजपा अपने इकोसिस्टम में क्या जीतती हुई है? पर यदि ऐसा होता तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के दिग्गज जाट नेता-मंत्री हताशा क्यों बताते मिलते? सोचें सुरेश राणा ने बड़ी संख्या में बूथों पर पुनर्मतदान के लिए चुनाव आयोग से कहा, लेकिन उनकी मांग नहीं मानी गई। भाजपा विधायकों के लिए प्रचार में मुश्किलों, सभाओं में कम भीड़, खाली कुर्सियों, फोटोशॉप से चेहरे और भीड़ में सभा के झूठे पोस्ट या अमित शाह द्वारा रोड शो छोड़ने वाले वीडियो सब भाजपा के ही इकोसिस्टम से तो आते हुए हैं! ये सब अखिलेश यादव या विरोधियों की चुनावी टीम के काम नहीं हैं। इन बेचारों का तो कहीं एक पोस्टर, एक होर्डिंग नजर नहीं आएगा। इनका न सोशल मीडिया का उपयोग या दुरूपयोग है और न गर्मी उतार देने वाली आक्रामकता। मैं मोदी-शाह के चुनावी धमाल के आगे विपक्ष को बौना मानता हूं। सन-2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव में बनारस में अखिलेश यादव और राहुल गांधी के रोड शो की भीड़ देख मैं चकरा गया था। बनारस के नतीजे आए तो और चकराया। इसलिए भीड़ का भौकाल हार-जीत का पैमाना नहीं होता है। तब लोगों में मन ही मन नोटबंदी से बिजली कड़की थी जबकि परंपरागत विरोधी वोट नोटबंदी की लोगों पर मार की गलतफहमी में रोड पर भीड़ का भौकाल बनाए हुए थे। तब इस दफा भाजपा के हारने का भौकाल किस मनोदशा में बना हुआ है? जैसा मैंने पहले लिखा था कि भाजपा के सन-2019 के 39.7 प्रतिशत वोटों में 25 प्रतिशत कोर व पक्के भक्त वोटों को छोड़ कर बाकी वोटों का बिखरना लगभग तय है। इनकी जगह नए वोट भाजपा के बनते हुए नहीं हैं। ध्यान रहे भाजपा का उत्तर प्रदेश में पुराना पक्का कोर वोट 15-18 प्रतिशत (2012 व 2007 चुनाव में था) रहा है। इसलिए लोकसभा के सन 2014 के 42.3 व सन-2019 के 50 प्रतिशत भगवाई वोट का चमत्कार मोदी-पुलवामा की सुनामी से था। वह सारी गणित अब मुख्यमंत्री के चेहरे, केंद्र-प्रदेश सरकार व विधायक के खिलाफ एंटी इनकम्बैंसी में बिखरती हुई है। महामारी काल में जीवन जीने के अनुभव से भाजपा से छिटकते हुए हैं। तभी 10 मार्च को जब नतीजा आएगा तब भाजपा के असली पक्के कोर वोट का आंकड़ा निकलेगा। पता पड़ेगा कि पिछले एक दशक की राजनीति में यूपी में हिंदू भगवाई वोट 15-18 प्रतिशत से बढ़ कर 30 प्रतिशत से पार होते हैं या नहीं। बहरहाल भाजपा के हारने के भौकाल में यूपी, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब के चुनाव बाद भगवा वोटों में कितना-कैसा फर्क होगा। कांटे की लड़ाई वाले नतीजे या एकतरफा सीधा दो टूक जनादेश? अपना मानना है कि सभी राज्यों में जनादेश दो टूक होगा। त्रिशंकु विधानसभा नहीं होनी चाहिए। यदि वैसा होता है तो वह भाजपा की भारी जीत होगी। जीता हुआ विपक्ष भी कहीं सरकार नहीं बना सकेगा। पर मोटा-मोटी अपने इकोसिस्टम का भौकाल आर-पार के फैसले के लक्षण लिए हुए है।

सोश्यल मीडिया का विष-वमन

सोश्यल मीडिया आज की जिंदगी में इतना महत्वपूर्ण बन गया है कि कई लोग 5 से 8 घंटे रोज तक अपना फोन या कंप्यूटर थामे रहते हैं। यदि हम मालूम करें कि वे क्या पढ़ते और देखते रहते हैं तो हमें आश्चर्य और दुख, दोनों होंगे। ऐसा नहीं है कि सभी लोग यही करते हैं। सोश्यल मीडिया की अपनी उपयोगिता है। गूगल तो आजकल विश्व महागुरु बन गया है। दुनिया की कौनसी जानकारी नहीं है, जो पलक झपकते ही उस पर नहीं मिल सकती। गूगल ने दुनिया के शब्द-कोशों, ज्ञान ग्रंथों और साक्षात गुरुओं का स्थान ग्रहण कर लिया है। उसके माध्यम से करोड़ों लोगों तक आप चुटकी बजाते ही पहुंच सकते हैं लेकिन इसी सोश्यल मीडिया ने भयंकर एंटी-सोश्यल भूमिका निभानी भी शुरू कर दिया है। इसके जरिए न केवल झूठी अफवाहें फैलाई जाती हैं बल्कि अपमानजनक, अश्लील, उत्तेजक और घृणित सामग्री भी फैलाई जाती है। इसके कारण दंगे फैलते हैं, भयंकर जन-आंदोलन उठ खड़े होते हैं और राष्ट्रों के बीच जहर भी फैल जाता है। सोश्यल मीडिया के जरिए सबसे विनाशकारी काम बच्चों के विरुद्ध होता है। छोटे-छोटे बच्चे भी अपने मोबाइल फोन के जरिए दिन भर अश्लील चित्रों और दृश्यों को देखते रहते हैं। वे गंभीर अपराध करने के गुर भी इसी से सीखते हैं। वे कई किशोर इंटरनेट के आदेशों का पालन इस हद तक करते हैं कि वे आत्महत्या तक कर लेते हैं। पिछले साल भर में ऐसी कई खबरें भारत के अखबारों और टीवी चैनलों पर देखने में आई हैं।

बच्चों को संस्कारविहीन बनाने में सोश्यल मीडिया का विशेष योगदान है। वे अपनी पढ़ाई-लिखाई में समय लगाने के बजाय अश्लील चित्र-कथाओं में अपना समय बर्बाद करते हैं। बैठे-बैठे लगातार कई घंटों तक कंप्यूटर और मोबाइल देखते रहने से उनकी शारीरिक गतिविधियां भी घट जाती है। उसका दुष्परिणाम उनके स्वास्थ्य पर भी प्रकट होता है। वे निष्क्रियता और अकर्मण्यता के भी शिकार बन जाते हैं। भारत में अभी यह जहरीली बीमारी बच्चों में थोड़ी सीमित है लेकिन अमेरिका और यूरोप के बच्चे बड़े पैमान पर इसके शिकार हो रहे हैं। इसने वहां महामारी का रुप धारण कर लिया है। अमेरिकी सांसद इससे इतने अधिक चिंतित हैं कि उन्होंने अब इस सोश्यल मीडिया पर नियंत्रण के लिए कठोर कानून बनाने का संकल्प कर लिया है। वे शीघ्र ही ऐसा कानून बनाना चाहते है कि जिससे पता चल सके कि 16 साल से कम के बच्चे कितनी देर तक सोश्यल मीडिया देखते हैं। उनके माता-पिता को यह जानने की सुविधा होगी कि उनके बच्चे इंटरनेट पर क्या-क्या देखते हैं और कितनी देर तक देखते हैं। वे इंटरनेट पर जानेवाली हर प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री पर प्रतिबंध लगाएंगे। इस तरह की कई अन्य मयार्दाएं लागू करना अमेरिका में ही नहीं, भारत और दक्षिण एशिया के देशों में उनसे भी ज्यादा जरुरी है। यदि भारत सरकार इस मामले में देरी करेगी तो भारतीय संस्कृति की जड़ें उखड़ने में ज्यादा देर नहीं लगेगी। मैं तो चाहता हूं कि भारत का अनुकरण दुनिया के सारे देश करें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ठाणे मनपा प्रशासन द्वारा वार्ड रचनाकर बढ़ाए गए, चार नगरसेवक संख्या 23 से 27 हुई

मनपा प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय से आने वाले मनपा चुनाव में हो सकता है मुंब्रा कौसा को फायदा

आरटीआई कार्यकर्ता
हनीफ कामदार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आने वाले आगामी मनपा चुनाव को देखते हुए थाने मनपा प्रशासन ने मुंब्रा कौसा शहर वासियों के लिए एक जटिल निर्णय लेकर वार्ड रचनाएं कर चार नगरसेवकों की बढ़ोतरी की गई है जिसकी संख्या 23 से 27 हो गई है मनपा प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय से सामाजिक आरटीआई कार्यकर्ता हनीफ कामदार से इस मामले में हुई बातचीत में उन्होंने बताया जो निर्णय मनपा प्रशासन द्वारा मुंब्रा कौसा शहर वासियों के लिए चार नगरसेवक बढ़ाकर जो तोहफा मनपा आयुक्त विपिन शर्मा ने दिया है वह सराहनीय है काबिले तारीफ है उनके द्वारा उठाए इस कदम का मैं तहे दिल से प्रशंसा करता हूं आभार प्रकट करता हूं कि उनकी वजह से आने वाले मनपा चुनाव में चार नगरसेवक हमारे और महासभा में जाकर मुंब्रा कौसा शहर वासियों की मूलभूत सुविधाओं के लिए आवाज उठाएंगे और कोशिश करेंगे कि जो सुविधाएं शहरवासियों को अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई थी वह सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे अब जनता का काम बनता है कि वह पिछले हालातों पर गौर करते हुए शहर की दुर्दशा को समझते हुए इस बार सही जनप्रतिनिधि चुने जो मुंब्रा कौसा शहर का विकास करें और जो हक शहर वासियों का है वह दिलाएं उन्होंने कहा यह शहर की जनता के लिए बहुत अच्छा मौका है क्योंकि 5 साल में एक बार जनता को मौका मिलता है कि वह अपना सही जनप्रतिनिधि चुने और यह मौका आने वाले मनपा चुनाव में जनता को मिलेगा तो मेरी जनता से यह विनती है गुजारिश है जनता से अपना वोट का इस्तेमाल सोच समझ कर करें और ध्यान रखें कि आपके वोट का गलत इस्तेमाल ना हो जनता द्वारा दिया गया गलत वोट से मुंब्रा शहर को कठिन परिणाम भुगतने पड़ सकते है उसका उदाहरण यह है वर्ष 2022/23 के पास किया गया 3299 करोड़ का बजट में से एक पैसा भी मुंब्रा कौसा शहर वासियों के लिए नहीं दिया गया कारण आप खुद ही समझ लीजिए इसीलिए आपसे बार-बार मैं एक ही बात कहना चाहता हूं आपके एक गलत वोट से आपके शहर को दलदल में झोंक देगा और वह जनप्रतिनिधि जिसे आप चुनकर लाओगे वह सिर्फ भ्रष्टाचार करेगा जो अब तक मुंब्रा शहर में होता चला आ रहा है जो सुविधाएं आपको मिलनी चाहिए जो योजनाएं पर आपका हक है वह नहीं मिल पाएंगे वह सिर्फ भ्रष्टाचार ही करेगा और अपनी महंगी गाड़ियां और आलीशान बंगले ही बनाएंगे और बड़े-बड़े टावरों के मालिक बन जाएंगे मैं फिर जनता से विनती करता हूं कृपया अपना वोट का इस्तेमाल सोच समझकर सही करें और अच्छे जनप्रतिनिधि को चुनकर महानगर पालिका में भेजें जो मुंब्रा कौसा शहर वासियों का विकास कर सके और तरसती हुई जनता का भला कर सके शहर को खूबसूरत बना सके और जो मूलभूत सुविधाएं है शहर वासियों के लिए उनको दिला सके।

पीएफआई द्वारा आयोजित कार्यक्रम किया गया रद्द

मुंब्रा पुलिस बता रही है इस कार्यक्रम के लिए परवानगी नहीं ली गई थी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 19 फरवरी शनिवार शाम 7:00 बजे पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) का कार्यक्रम कौसा खड़ी मशीन से लेकर डायमंड हॉल के पास यह कार्यक्रम की शुरूआत की जा रही थी तभी सोशल ब्रांच के हवलदार शांताराम ने आकर यह कार्यक्रम को रुकवा दिया और बाद में मुंब्रा पुलिस के एपीआई शेवाडे और उनकी टीम ने यह कार्यक्रम को पूरी तरह से रुकवा दिया पुलिस के उठाए गए इस कदम से कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों में अफरा तफरी का माहौल बन गया कुछ देर के लिए माहौल तनाव पूर्वक रहा उसके बाद स्थिति सामान्य हो गई इस मामले मे पीएफआई अब्दुल मतीन शेखानी द्वारा बताया गया है यह जो हमारी तंजीम है उसको पुलिस द्वारा बैंन बताया जा रहा है

जबकि हमारी तंजीम रजिस्टर्ड है और इस तंजीम का मकसद है सेव द रिपब्लिक है और यह तंजीम का हमने 7 महीने का कार्यक्रम शुरू किया है 26 जनवरी 2022 से लेकर 15 अगस्त 2022 तक हम यह कार्यक्रम चलाएंगे उन्होंने बताया जो देश में हुकूमत द्वारा जनतंत्र को निचले स्तर पर ले जाया जा रहा है हमारी तंजीम पीएफआई और आवाम मिलकर ही इसको बचाएंगे और बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान से हम लड़ेंगे माशाल्लाह से आज मुंबई के हर इलाके में हमारी तंजीम की शाखाएं बढ़ती जा रही हैं और हमारी तंजीम ने हर जगह फ्लैग होस्टिंग की है लेकिन बड़ा अफसोस की बात है हम लोगों के लिए की मुंब्रा एक बहू मुस्लिम क्षेत्र होने के बावजूद भी फ्लैग होस्टिंग करने की इजाजत नहीं दी गई हालांकि जो कार्यक्रम हम कर रहे थे उसकी इजाजत लेना जरूरी नहीं थी मैं यह पूछना चाहता हूं कि मुंब्रा के अंदर जो भी कार्यक्रम होते हैं क्या उनकी परमिशन पुलिस द्वारा ली जाती है हम एक इस्लामिक संस्था पीएफआई चला रहे हैं तो यह हमारे साथ नाइंसाफी क्यों फिलहाल उन्होंने कहां है अभी अगला बड़ा कार्यक्रम बड़ी तादाद में करेंगे और पुलिस की परमिशन के साथ करेंगे उन्होंने इस कार्यक्रम में शामिल हुई महिलाओं और पुरुषों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और अपने घरों को वापस लौट जाएं यह विनती की है वहीं दूसरी ओर मुंब्रा पुलिस इस कार्यक्रम को रोके जाने की वजह बता रही थी कि यह तंजीम ने मुंब्रा पुलिस से किसी तरह की कोई भी परवानगी नहीं ली थी और मात्र सोशल मीडिया पर अपने इस कार्यक्रम की सूचना दी थी उसके आधार पर हमने 149 का नोटिस भी दिया है और कार्रवाई भी करेंगे।

मुंबई लोकल एसी ट्रेनों का किराया जल्दी ही कम होगा

मुंबई। मध्य और पश्चिम रेलवे ट्रैक पर दौड़ने वाली मुंबई लोकल की एसी ट्रेनों का किराया कम होने वाला है। इसके संकेत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णवने दिए हैं। भाड़ा अधिक होने की वजह से एसी लोकल ट्रेनों को यात्रियों का अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। मध्य रेलवे पर फिलहाल 10 फेरियां शुरू हैं। आज (19 फरवरी) से और 34 फेरियां शुरू हो गई हैं। ऐसे में सही रेस्पॉन्स मिले, इसके लिए एसी लोकल के किराए में कमी किए जाने की जरूरत को सरकार ने समझा है। ऐसे में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संकेत दिए हैं कि किराए की दर इस तरह की रखी जाएगी कि जिससे रेल यात्रियों के लिए उसका खर्च वहन करना आसान हो। इसके अलावा उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि ठाणे स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा। शुक्रवार को ठाणे रेलवे स्टेशन में हुए कार्यक्रम के तहत ठाणे से दिवा के बीच पांचवी और छठी रेल लाइनों का उद्घाटन और 36 नई लोकल फेरियां बढ़ाने के काम को हरी झंडी दिखाई गई। इन 36 लोकल फेरियों में से 34 एसी ट्रेनों की फेरियां होंगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

वर्सोवा यारी रोड की मदीना मस्जिद पर बजरंग दल वालों ने किया हंगामा

शनिवार 19 फरवरी, 2022 शिवाजी जयंती समारोह आयोजित कर के लौटे समय कुछ सर फिरे आरएसएस औरबजरंग दल के नवजवानों ने इस 'वर्सोवा मदीना मस्जिद' के सामने अपनी रैली रुका कर खूब जम कर 'जय श्री राम' नारे बाजी कर के यहां की शांति को भंग करने की कोशिश की। यह शांतिपूर्ण ढंग से बरसों से हिन्दू मुस्लिम समुदाय के बीच नफरत की राजनीती करने वालो लोगों की एक घटिया सोच है। जिस की जितनी भी मानसिकता दिवालिया पन घोर निन्दा की जाए कम है। आप लोगों यहां हम ये बताते चलें के यही वो 'मदीना मस्जिद' एक ऐसा लैंडमार्क है, जहां से फिल्म पारसंसक अपने बॉलीवुड के हीरो हिरोइन और सितारों जैसे अरशद वारसी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, आशुतोष राणा, रेणुका शाने, मनीषा कोइराला, शाहिद कपूर, प्रियंका चोपड़ा, के बंगले और घर देखने मुंबई और मुंबई के बाहर से बड़े शौक से आते हैं। यहां के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने समझ बूझ से काम लेते हुए जवाब में उग्रवाद नही किया। कुछ अमन पसंद समाजिक कार्यकर्ता ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर सिराजुद्दीन इनामदार साहेब से मिल कर इस बात की सूचना दी। वर्सोवा पुलिस स्टेशन के स्टाफ नजदीक सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है, जब कि इस शर्मनाक दुर्घटना के एक लाइव वीडियो यूट्यूब पर किसी ने अपलोड कर दी है। यहीं के अमानपासन हिंदू मुस्लिम समुदाय के लोग जो बरसों से एक दूसरे से भाईचारे के साथ रहे रहे हैं चाहते हैं कि इस प्रकार की दुर्घटना भविष में ना हो, यहां की शांति भंग करने वाले लोगों का पर्दा फाश हो उन के असली चेहरे जनता के सामने आए, और उन्हें कानून भंग करने की कड़ी से कड़ी सजा मिले। वर्सोवा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों पर पूरा विश्वास है कि वो वर्सोवा यारी रोड स्थित लोगों के लिए शांति पुर्ण माहौल बना रखे।

महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार ने समीर वानखेड़े को दिया एक और झटका

ठाणे पुलिस उपायुक्त डॉ. विजय कुमार राठौड़ ने बताया कि राज्य आबकारी अधिकारियों की शिकायत के बाद वानखेड़े के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में यहां कोपरी पुलिस थाने में शनिवार रात प्राथमिकी दर्ज की गई। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने पिछले साल नवंबर में समीर पर आरोप लगाया था। उनका कहना था कि वानखेड़े का नवी मुंबई के वाशी में एक परमिट रूम और बार है, जिसका लाइसेंस 1997 में समीर वानखेड़े के नाम पर लिया गया था। तब वानखेड़े नाबालिग थे और इसलिए यह अवैध है। वानखेड़े के पिछले साल अक्टूबर में एक जहाज पर छापेमारी कर वहां से मादक पदार्थ की जब्ती का दावा करने के बाद से मलिक ने उनके खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। इस छापेमारी के संबंध में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था।

ठाणे के बाद अब पालघर में बर्ड फ्लू के मामले

पालघर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रशांत कांबले ने बताया की मुर्गी पालन केंद्र की कुछ मुर्गियां मृत मिली थीं। इसके बाद उनके सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। उन्होंने ने बताया की जांच रिपोर्ट शुक्रवार रात को आए। इसमें मुर्गियों के एच5एन1 वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। कांबले ने दावा किया है कि ये स्थिति गंभीर नहीं है। उन्होंने ये भी स्पष्ट नहीं किया कि पोल्ट्र फार्म की कितनी मुर्गियां मरी हैं। हालांकि जिले के क्लेक्टर ने संक्रमित इलाके के एक किलोमीटर की परिधि के इलाके को संक्रमित जोन घोषित किए हुए सभी पक्षियों को मारने का आदेश दिया है। वहीं संबंधित जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सावधानी बरतते हुए इलाके में कुल 2 हजार पक्षियों को मारने के आदेश दिए हैं। वहीं इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को अभी तक इन दो जिलों के अलावा राज्य के किसी भी पक्षी में संक्रमण की पुष्टी नहीं हुई है। अधिकारियों ने बताया है कि इसके अलावा संक्रमित इलाके से 10 किलोमीटर के इलाके को सर्विलांस क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसका मतलब यह है कि इस 10 किलोमीटर के इलाके में किसी भी तरह का क्रय-विक्रय अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।

योगा गुरु राधेश्याम पहुंचे शिव छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर

मुंबई। 19 फरवरी के दिन हिंदुत्व के राजा श्री माननीय शिव छत्रपति शिवाजी महाराज के जयंती के उपलक्ष में वर्ली भारतीय जनता पार्टी के सभी गणमान्य सदस्य दीपक सावंत दीपक पाटील विजय गोलनकर मुंबई उपाध्यक्ष बड़ेकर और सभी गणमान्य सदस्यों के साथ सेलिब्रिटी योगा गुरु राधेश्याम सभी के बीच अपने आप को हिंदुत्व के महाराजा शिव छत्रपति राजाधिराज शिवाजी महाराज के जयंती के उत्सव पर सभी लोगों से मिलने पहुंचे। कार्यक्रम बहुत ही भव्य रहा, उनकी जयंती में सैकड़ों लोगों ने अपना उपस्थिति रखी और पूरे मुंबई में पूरे महाराष्ट्र में उनकी जयंती को बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। साथ ही योग गुरु राधेश्याम जीने सभी आए हुए गणमान्य का हार्दिक अभिनंदन किए, और योगा करने का संदेश बताया करो योग रहो निरोग। इसी के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी वरली विधानसभा के वार्ड क्रमांक 200 में कल छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर परिसर के लोगों को ईश्रम कार्ड और हेल्थ कार्ड बनाकर दिया गया। उक्त अवसर पर शिवाजी महाराज को माल्यार्पण करते भारतीय जनता पार्टी मुंबई उपाध्यक्ष विजय गोवलकर जिले के महामंत्री दीपक सावंत, विधानसभा महामंत्री बिजय बादिवडेकर, युवा मोर्चा अध्यक्ष एड. मदन गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी, वार्ड अध्यक्ष पद्माकर चव्हाण।

बच्चों को भी लग रही तंबाकू की लत, महाराष्ट्र में 5% स्कूली बच्चे कर रहे धूम्रपान

मुंबई। युवाओं के बाद अब स्कूली बच्चों में तंबाकू की लत देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में 13 से 15 आयु वर्ग के 5.1 फीसदी विद्यार्थी तंबाकू उत्पादों का सेवन करते हैं। इसका खुलासा ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे-4 में हुआ है। खास बात यह है कि इन्हें तंबाकू जनित पदार्थ आसानी से स्कूल के करीब स्टोर, पान की टपरी पर मिल जाते हैं। सर्वे में यह भी पाया गया कि अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में किशोर कम धूम्रपान करते हैं। बता दें कि स्कूली बच्चों के व्यसन में फंसे होने की जानकारी के लिए महाराष्ट्र में ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे (जीवायटीएस-4) किया गया। इसकी रिपोर्ट गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने टाटा मेमोरियल अस्पताल में जारी की। यह सर्वे 35 स्कूलों में पढ़ने वाले 4,360 विद्यार्थियों पर किया गया। सर्वे में 5.1 फीसदी ने तंबाकू खाने या सिगरेट या बीड़ी पीने की बात कबूली है। इनमें छात्राएं भी शामिल हैं। टाटा मेमोरियल अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेंद्र बडवे ने कहा कि यह अच्छी बात है कि महाराष्ट्र में व्यसन के आदी किशोरों का प्रमाण राष्ट्रीय औसत से कम है। व्यसन के आदी किशोरों का राष्ट्रीय औसत 8.5 फीसदी है। उत्तर-पूर्वी राज्यों अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में 58 फीसदी बच्चे तंबाकू का उपयोग करते हैं।

मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति, इंसाफ अली को किया सम्मानित

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति के जिला प्रवक्ता नदिम बक्ष ने बताया की जिला विकास समिति के तत्वघान मे व समाज के दिग्गज समाज सेवको द्वारा इंसाफ अली भाईजान मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति के जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष बनने पर उनके निवास पर साफा माला व मेमोनटौ देकर सम्मानित किया गया जिसमे समिति के पदआधिकारी व सदस्य व शेख सैयद मूगल पठान समाज दिग्गज समाज सेवको ने साथ मिलकर सम्मानित किया। जिसमे शामिल उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, नियामत पठान, उस्ताद अ वहीद खान, फिरोज खान, रमजान अली पप्पू, अजीज पठान, अ सलीम, आरिफ अली, शोएब खान, नबी हुसैन, मो.शफी, मोहम्मद रईस, अशरफ पठान, अमजद बक्ष, जावेद खान,माजिद खान, आमीन खान, रईस अली, मो.हनीफ, ईशतियाक अली राजू, अरिफ पठान, इरफान पठान, फेजान बक्ष, व कई समाज के मोजिज लोग भी शामिल रहे।

मुंब्रा कौसा में खेल का मैदान और बच्चों को खेलने के लिए दी जाए आरक्षित जमीन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 18 फरवरी शुक्रवार को एआईएमआईएम की स्टूडेंट विंग ने राज्य के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी को मेमोरेंडम सोपा इस पत्र में एआईएमआईएम स्टूडेंट विंग द्वारा यह मांग की गई है कि मुंब्रा कौसा एक बड़ा आबादी वाला शहर है जिसमें युवकों को खेलने के लिए मैदान कि सुविधा तक पर्याप्त नहीं है और बच्चों के खेलने के लिए कोई गार्डन तक नहीं है हलाकी मनपा प्रशासन द्वारा मुंब्रा कौसा शहर में खेल के मैदान के लिए जमीने आरक्षित की गई है परंतु आरक्षित जमीन हम लोगों को पर्याप्त नहीं की जा रही हैं पता नहीं मनपा प्रशासन मुंब्रा कौसा वासियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों कर रही है इस पत्र में यह जिक्र भी किया है कि हमने खेल के मैदान की मांग को लेकर मुंब्रा से थाना कलेक्टर ऑफिस तक पैदल मार्च तक किया था और हम लोग काफी महीनों से संघर्ष कर रहे हैं इस मामले में राज्य के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने उन्हें आश्वासन दिया है और जल्द ही कार्रवाई करने का वादा किया है इस मौके पर एआईएमआईएम महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष कुणाल खैरात मुंब्रा कलवा के अध्यक्ष राशिद खान और जनरल सेक्रेटरी मुस्तफा मेमन यह तमाम लोगों की उपस्थिति में मेमोरेंडम सौंपा गया।

इस मांगों को लेकर एआईएमआईएम स्टूडेंट विंग ने राज्य के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी को सौंपा मेमोरेंडम

AI.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment,
Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

सीएम उद्धव ठाकरे से मिले तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव

महाराष्ट्र के सीएम ने साफ कहा- 'सदिच्छा भेंट नहीं तेलंगाना के सीएम से मुलाकात, बदले की राजनीति के खिलाफ यह एक नई शुरूआत'

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। रविवार, 20 फरवरी को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुंबई के आधिकारिक निवास 'वर्षा' में आकर मिले। इस मुलाकात के बाद दोनों मुख्यमंत्रियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। दोनों मुख्यमंत्रियों ने यह बात खुल कर कही कि देश की राजनीति में बदलाव की जरूरत है। इस जरूरत को महसूस करते हुए एक नई शुरूआत की यह कोशिश है। सीएम उद्धव ठाकरे ने तो साफ कहा कि हम कोई लाग-लपेट की बात नहीं करेंगे कि यह एक सदिच्छा भेंट थी। देश में जिस तरह की बदले की राजनीति शुरू है, उसके खिलाफ किसी को तो शुरूआत करनी ही थी, सो, हमने शुरूआत कर दी है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि देश में इस तरह के विचार रखने वाले और भी लोग हैं, वे उन सभी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने यह बताया कि इस संबंध में जल्दी ही हैदराबाद में एक बैठक आयोजित की जाएगी।

किसी को तो करनी थी शुरूआत, बदलाव के हक में हमने उठा दी आवाज- उद्धव ठाकरे

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा, मुझे तेलंगाना के मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। कई दिनों से इसका मुहुर्त बन रहा था। छत्रपति शिवाजी महाराज और बालासाहेब ठाकरे का उन्होंने जिक्र किया है। उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र से जो क्रांति शुरू होती है, वो कामयाब होती है। कल ही छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती थी। उनके इस वक्तव्य से हमें खुशी हुई। हमारा हिंदुत्व बदले की राजनीति वाला नहीं है। कुछ लोग सिर्फ अपना एजेंडा चला रहे हैं, इसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। जिस तरह की राजनीति शुरू है उसके खिलाफ किसी को तो शुरूआत करनी ही थी। तो शुरूआत हम कर रहे हैं। यह हम कोई छुप कर नहीं कर रहे हैं। हम ऐसा नहीं कह रहे कि यह एक सदिच्छा भेंट थी। हम खुल कर कह रहे हैं कि देश को एक नई दिशा देने के लिए यह मुलाकात हुई है।

जो चल रहा है उसका फल उन्हें भोगना पड़ेगा, समान विचार वालों को एक होना पड़ेगा-केसीआर

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए तेलंगाना के सीएम केसीआर ने कहा, 75 साल की आजादी के बाद देश के हालात पर चर्चा करने के लिए मैं महाराष्ट्र आया हूं। उद्धव जी से मेरी लंबी चर्चा हुई है। काफी बातों में हमारी सहमति हुई है। देश में कुछ स्ट्रक्चरल चेंजेस करने को लेकर, राजनीति के तरीके में बदलाव लाने को लेकर विस्तार से बातें हुईं। देश में और भी लोग हैं जो हमारी बातों से इत्तिफाक रखते हैं। हम लोग इस बात पर सहमत हैं कि देश में एक बड़े बदलाव की जरूरत है। देश का माहौल खराब नहीं होना चाहिए। एक नया और मजबूत हिंदुस्तान बनाने की कोशिश है। मैं समझता हूं कि महाराष्ट्र से जो मोर्चा निकलता है, वो कामयाब होता है। वो चाहे छत्रपति शिवाजी महाराज की क्रांति रही हो या बालासाहेब ठाकरे के मुहिम की बात हो।

हिजाब विवाद में दंगल गर्ल की एंट्री

जायरा वसीम बोलीं- हिजाब खुदा की दी गई जिम्मेदारी, इसे मजहब और तालीम की च्वॉइस में न उलझाएं

मुंबई। इस्लाम के लिए तीन साल पहले फिल्म इंडस्ट्री छोड़ चुकीं दंगल गर्ल जायरा वसीम भी हिजाब विवाद में कूद गई हैं। जायरा ने सोशल मीडिया पर कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद को लेकर अपनी बात रखी। जायरा ने कहा कि हिजाब पहनना खुदा की दी गई जिम्मेदारी है। इसे मजहब और तालीम की च्वॉइस में उलझाना सही नहीं है। स्कूल-कॉलेजों में हिजाब का सपोर्ट करते हुए जायरा वसीम ने अपनी पोस्ट में लिखा- हिजाब एक च्वॉइस है, ये गलत जानकारी है। सुविधा के हिसाब से यह धारणा बनाई जा रही है। जायरा ने दो टूक कहा कि हिजाब कोई च्वाइस नहीं बल्कि इस्लाम में यह खुदा के द्वारा दी गई एक जिम्मेदारी है। इसी तरह हिजाब पहनकर एक मुस्लिम महिला खुदा से मिली जिम्मेदारियों को पूरा करती है। वह अपने खुदा से प्यार करती है और ऐसा कर उसने खुद को को ऊपर वाले को सौंप दिया है। मैं भी एक महिला हूं और मैं सम्मान के साथ हिजाब पहनती हूं। मैं इस पूरे सिस्टम का विरोध करती हूं, जहां महिलाओं को धार्मिक परंपराओं को मानने से रोका और परेशान किया जा रहा है। मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ पक्षपात करना और ऐसा सिस्टम बनाना जहां उन्हें शिक्षा और हिजाब के बीच किसी एक को चुनना हो या फिर किसी एक चीज को छोड़ना हो, यह अन्याय है। आप उन्हें स्पेसिफिक चीजों को अपनाने पर मजबूर कर रहे हैं, जिनसे आपका एजेंडा चलता है और फिर उनकी आलोचना करते हैं कि वो आपके बनाए गए नियमों में कैद हैं।

महिला सशक्तिकरण के नाम पर मुखौटा

जायरा ने लिखा- यह उन लोगों के साथ पक्षपात नहीं तो क्या है? जो यह जता रहे हैं कि वो उनके (महिला) सपोर्ट में काम कर रहे हैं? इन सबसे ऊपर, एक मुखौटा बनाना कि यह सब सशक्तिकरण के नाम पर किया जा रहा है ये और भी बुरा है, यह सब उससे बिल्कुल विपरीत है, दुखी हूं।

2019 में बॉलीवुड को कह चुकीं हैं अलविदा

जायरा ने 2019 में अचानक बॉलीवुड को अलविदा कहने का फैसला किया था। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर दी थी। उन्होंने लिखा कि, 'पांच साल पहले मैंने एक फैसला लिया, जिसने मेरी जिंदगी बदलकर रख दी। बॉलीवुड में कदम रखते ही मुझे खूब पॉपुलैरिटी मिली, लेकिन मुझे इस क्षेत्र में काम करके खुशी नहीं मिली, क्योंकि यह मेरे धार्मिक विश्वासों में दखलअंदाजी कर रहा था।'

मुंबई: आंगड़ियों से लूटपाट करने और उगाही करने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों पर मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने दक्षिण मुंबई में आंगड़ियों और उनके कर्मचारियों से कथित रूप से लूटपाट करने और पैसे वसूलने के आरोप में शनिवार को तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने इस मामले में सहायक पुलिस निरीक्षक नितिन कदम और उप निरीक्षक समाधान जामदादे को गिरफ्तार किया है, जबकि लोकमान्य तिलक मार्ग पुलिस थाने के निरीक्षक ओम वांगटे एक वांछित आरोपी है। उन्होंने बताया कि पुलिस को उनके बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण) दिलीप सावंत द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर आरोपी अधिकारियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस को सात दिसंबर, 2021 को इस संबंध में आंगड़िया एसोसिएशन ऑफ भुलेश्वर से शिकायतें मिली थीं। आंगड़िया शुल्क लेकर धन, हीरे और आभूषण स्थानांतरित करने के लिए कूरियर सेवाएं प्रदान करते हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एसोसिएशन ने आरोप लगाया था कि आरोपी पुलिसकर्मियों ने आंगडियों और उनके कर्मचारियों को मुंबादेवी चौकी ले जाकर उनसे जबरन वसूली की थी। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला कि 2, 3, 4 और 6 दिसंबर को आरोपियों ने एक आंगड़िया व्यवसायी और उसके कर्मचारी को रोका और उनसे जबरन वसूली की। लोकमान्य तिलक मार्ग पुलिस थाने में धारा 392, 384, 341, और 34 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद यह मामला पुलिस की अपराध शाखा की अपराध खुफिया इकाई (सीआईयू) को स्थानांतरित कर दिया गया, जिसने सहायक पुलिस निरीक्षक नितिन कदम और उप निरीक्षक समाधान जामदादे को गिरफ्तार कर लिया।

मधुबनी स्टेशन पर बड़ा हादसा, धू-धूकर कर जल गई स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, किसी मुसाफिर के जानी नुकसान नही हुआ

मधुबनी। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर बड़ी घटना सामने आई है। जब एक ट्रेन में अचानक आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से आने वाली स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस में सुबह अचानक आग लगने से स्टेश परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। देखते ही देखते ट्रेन धू-धूकर जल उठी। ट्रेन में लगी आग कितनी भयानक थी, ये आप तस्वीरों को देखकर समझ सकते हैं। गनीमत ये रही कि ट्रेन पूरी तरह से खाली थी। बताया जा रहा कि रात में ही दिल्ली से ये ट्रेन मधुबनी पहुंची थी और स्टेशन में खड़ी रहने

के दौरान इसमें आग लगी। तुरंत ही स्टेशन मौजूद लोगों और कर्मियों ने आग बुझाने की कवायद शुरू की। इस बीच फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पहुंची। तथा आग पर काबू पाने में जुट गए। अभी ये साफ नहीं हुआ कि आग कैसे लगी। इधर रेलवे प्रशासन के साथ-साथ मधुबनी सदर एसडीएम अश्वनी कुमार स्टेशन पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। तथा आग पर काबू पाने के लिए प्रशासन का नेतृत्व करते रहे। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सकता। वैसे किसी के हताहत होने की कोई सूचना नही है।

वैशाली जिला राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया: प्रदेश संगठन सचिव महिला प्रकोष्ठ लक्ष्मी सिन्हा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

पटना। वैशाली जिला अंतर्गत हाजीपुर प्रखंड के बलवा कुआरी स्थित चेतना मंच प्रांगण में वैशाली जिला राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। वैशाली रालोजपा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा संजू चंद्रा की अध्यक्षता में हो रहे कार्यक्रम का संचालन रालोजपा महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश संगठन सचिव किरण देवी ने किया। मुख्य अतिथि रालोजपा महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्षा डॉ स्मिता शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते है। पार्टी को मजबूत बनाने की जिम्मेवारी सभी कार्यकर्ताओं की है। उन्होंने पार्टी को मजबूत एवं धारदार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के सिद्धांतो, कार्यक्रमो के साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस द्वारा क्षेत्र में कराया जा रहे विकास कार्यों से लोगो को अवगत कराने पर बल दिया। बैठक में मुख्य रूप से महिला प्रकोष्ठ की प्रधान महासचिव अन्नपूर्णा कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष कल्पना शर्मा, वैशाली रालोजपा जिलाअध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, वैशाली छात्र रालोजपा जिलाअध्यक्ष प्रकाश कुमार चंदन, महिला प्रकोष्ठ की भगवानपुर प्रखंड अध्यक्षा सुलेखा देवी, बिदुपुर प्रखंड अध्यक्षा रमिला देवी, रालोजपा महुआ प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद पासवान, महुआ दलित सेना प्रखंड अध्यक्ष मनोज पासवान, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव व थाथन पंचायत समिति सदस्या सुनीता देवी, रालोजपा नेता दिनेश पाण्डेय, रालोजपा नेता जय प्रकाश नकुल, जय माला देवी, रंजू देवी, विभा देवी, रेणु देवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

नाबालिग से गैंगरेप के दोषी को सुनाई गई फांसी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत, उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश में 2018 में सात वर्षीय एक लड़की से सामूहिक बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति को सुनाई गई मौत की सजा की तामील पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति यू यू ललित , न्यायमूर्ति एस आर भट और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने मौत की सजा की पुष्टि करने वाले मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पिछले साल सितंबर के फैसले के खिलाफ दायर दोषी की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि मामला लंबित रहने तक दोषी को सुनाए गए मृत्युदंड की तामील पर रोक लगी रहेगी। न्यायालय ने कहा कि दोषी की मनोवैज्ञानिक आकलन रिपोर्ट उसके सामने पेश की जाए। न्यायालय ने निर्देश दिया कि जेल में रहते हुए याचिकाकर्ता द्वारा किए गए कार्यों की प्रकृति के बारे में संबंधित जेल प्रशासन की रिपोर्ट पेश की जाए। पीठ ने 14 फरवरी के आदेश में कहा, 'मामले की सुनवाई लंबित रहने तक याचिकाकर्ता को सुनाई गई मौत की सजा की तामील पर रोक लगी रहेगी। इस बारे में संबंधित जेल को तत्काल सूचित किया जाए।' निचली अदालत ने इस मामले में याचिकाकर्ता और एक अन्य को मृत्युदंड सुनाया था, जिसे उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा था। याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

बेजुबान जानवरों पर हो रही घटनाओं के विरोध में सभी गो प्रेमियों ने की बिश्नोई धर्मशाला में बैठक और बनाई पशु क्रूरता संघर्ष समिति

महामंडलेश्वर श्री सरजू दास जी महाराज को संरक्षक नियुक्त किया गया

संवाददाता/ सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर, बज्जु। बीकानेर संभाग में हो रही निरंतर बज्जू 860 आरडी पर घटनाओं के विरोध में सभी गो प्रेमियों ने की बिश्नोई धर्मशाला में बैठक और बनाई समितिपशु क्रूरता संघर्ष समिति राजस्थान सहमति से महामंडलेश्वर श्री सरजू दास जी महाराज को संरक्षक नियुक्त किया गया सोमवार को संरक्षक महोदय के नेतृत्व में देंगे ज्ञापन मांगे। आरडी जैसे विस्फोट बनाने वाले लोगों पर देशद्रोह जैसा मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा 2 नंबर ग्रामीण क्षेत्रों से आई मांगे सभी गांव में बढ़ती सुवरो की संख्या पर चिंतन करने के उपरांत जिला प्रशासन से फोन पर वार्ता के बाद वन विभाग व पुलिस विभाग से वार्ता के बाद संघर्ष समिति इस निर्णय पर पहुंची की ग्राम वासियों के प्रस्ताव पर वन विभाग द्वारा सूवरो को पकड़ कर रणथंबोर अभ्यारण में भेजा जाएगा सोमवार को ऊपर मांगों पर संघर्ष समिति ने दिया लिखित ज्ञापन। की बैठक में उपस्थित शारदा जी, संतोष जी, पुष्पा जी, अन्नपूर्णा जी, अर्चना जी, विमला जी, धर्मेंद्र सारस्वत, शिवराज जी बिश्नोई, रघुनाथ सिंह, कर्णपाल सिंह, श्रवण सिंह खारा, रणजीत सिंह, सरवन सिंह सांखला, अनुपम जा, वीरेंद्र राजगुरु, राकेश रावत, रतनलाल आदि मौजूद थे।

सैय्यद मीरहसन के आस्ताने पर जुलूस निकाल चढ़ाई चादर, मांगी देश मे खुशहाली की दुआं

संवाददाता/ सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद, देवगढ़। नगर के मॉडल स्कूल मार्ग पर स्थित दरगाह हजरत सैय्यद मीर हसन (र.अ.) हीर बंगला का दो दिवसीय उर्स इन्तेजामिया उर्स युवा कमेटी देवगढ़ के तत्वावधान में शनिवार से शुरू हुआ जिसमें जायरीनों द्वारा जुलूस निकाल आस्ताने पर चादर चढ़ाकर देश में खुशहाली की दुआएं मांगी। हजरत सैय्यद मीर हसन (र.अ.) हीर बंगला के दो दिवसीय उर्स का आगाज शनिवार को कुरआन ख्वानी से हुआ। इसके बाद शाम को बेंड बाजे के साथ चादर शरीफ का जुलूस जामा मस्जिद से शुरू हुआ जो खटीक मोहल्ले एवं गुजरी दरवाजा होते हुए दरगाह परिसर पहुंचा। जहां पर जायरीनो ने आस्ताने पर अकीदत के साथ चादर, अगरबत्ती, फूल एवं ईत्र पेश कर मौलाना ईरशाद रजा अजहरी एवं उपस्थित जायरीनो ने देश मे अमन एवं खुशहाली की दुआएं मांगी। उसके बाद उर्स में शरीक होने वाले सभी जायरीनो के लिए लंगर का इंतजाम किया गया जिसमे सभी ने शिरकत की। इस दौरान आफत अली बाबा, जामा मस्जिद सदर मुश्ताक शोरगर, हाजी मुश्ताक शैख,जहूर मो. शोरगर, लतीफ उस्ता, चांद मो. उस्ता, ईकबाल मो. शैख, अफसर हुसैन, आशिक शाह, हकीम उस्ता, जाफर खान फौजदार, मुस्ताक शोरगर, खादिम अल्लाहबक्ष, पार्षद तोलाराम खटीक, ईकबाल उस्ता, सलीम शोरगर, काशम शाह, जाकिर हुसैन, जमील शोरगर, ईकबाल छिपा, महबूब शैख, मोहम्मद शरीफ छिपा, शफी फौजदार, गुलजार शाह, ईमरान शैख, मुश्ताक शाह, मकसूद शैख, जाबीर शैख, मेहताब उस्ता, महबूब छिपा सहित सैकड़ों जायरीन मौजूद थे। उर्स में देवगढ़ के अलावा, ताल, लसानी, आमेट, भीम, राजसमंद, केलवा, पसूंद सहित अन्य क्षेत्रों से सेकड़ो जायरीन पहुंचे। रविवार को दोपहर 2 बजे बाद कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन हुआ। उर्स को लेकर दरगाह परिसर को विशेष रोशनी से सजाया गया।

अकेले होने पर आ जाए हार्ट अटैक तो अपनाएं ये तरीके!

बदलते लाइफस्टाइल औक खान-पान में हो रहे निरंतर बदलाव के कारण आज हर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त है, जिसमें से एक हार्ट अटैक भी है। आज हार्ट अटैक की समस्या काफी सुनने को मिलती है। अक्सर ऐसा होता है कि हार्ट का मरीज अकेले होने पर कई बार उसे अटैक आ जाता है। ऐसे में उस मरीज को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाने वाला बी कोई नहीं होता, जिस वजह से कई बार मरीज की जान तक चली जाती है। ऐसी स्थिति में हार्ट मरीज को कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है ताकि वह किसी की गैरमौजूदगी में अपने-आप को हार्ट अटैक जैसी घटान से बचा सके। हार्ट अटैक आने पर पेशेंट को मेडिकल सहायता जितनी जल्दी मिल जाएं उतना ही बेहतर है। डॉक्टर तक पहुंचने से पहले थोड़ी समझदारी से काम ले। आज हम आपको कुछ ऐसे ही आसान से टिप्स बताने जा रहे, जिनको हार्ट अटैक आने पर अपनाना चाहिए , ताकि प्रॉब्लम को कंट्रोल किया जा सकता है।

- जमीन पर सीधे लेट जाएं और रेस्ट करें। ज्यादा हिलने की कोशिश न करें।
- पैरों को छोड़ी ऊचाई पर रखें। ताकि इससे पैरों के ब्लड की सप्लाई हार्ट तक हो सकते है और बीपी कंट्रोल हो जाए।
- हार्ट अटैक जैसे फिल होने पर तुरंत अपने कपड़ों को थोड़ा ढीला कर लें। इससे बैचेनी कम होगी।
- फिर धीरे-धीरे लंबी सांस लें। इससे शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल सकें।
- अटैक आते ही सोरबिट्रेट की एक गोली जीभ के नीचे रखें । अगर यह गोली न मिले तो डिस्प्रीन की गोली लें सकते है। दवाई के अलावा और कुछ भी न खाएं
- उल्टी आए तो एक तरफ मुड़कर करें ताकि उल्टी लंग्स में न भरें।
- ऐसी स्थिति में पानी या कोई और ड्रिंक पीने की कोशिश न करें। इससे उल्टी आ सकती है और प्रॉब्लम बढ़ सकती है।
- अपने आसपास के किसी भी परिचित को सुचित करें और डॉक्टर को बुलाने की कोशिश करें।

क्या आप भी इयरबड से कान साफ करते है?

अधिकतर लोग अपने कान साफ करने के लिए इयरबड्स का प्रयोग करते है,लेकिन आपको यह काफी मंहगा पड़ सकता है। क्योंकि इयरबड्स से कान साफ करने से हमारे कान को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। इयर बड्स का कान में इस्तेमाल करने पर कई बार तो कान के पर्दे भी फट सकते हैं या सुनने की क्षमता कम हो सकती है। ई.एन.टी स्पेशलिस्ट का कहना है कि आमतौर पर कान की मैल साफ करने की कोई जरूरत नहीं होती क्योंकि ये कान में धूल मिट्टी जाने से बचाव करती है और समय-समय पर कान की बनावट के कारण खुद ही साफ हो जाती है।आइए जानें,इससे क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं.

1. बार बार इयरबड डालने से कान के अंदर का हिस्सा चौड़ा हो जाता है, इससे कान में ज्यादा धूल-मिट्टी जाती है और इससे कान को ओर ज्यादा नुकसान होता है।
2. इयरबड्स से कान साफ करते समय कई बार मैल पूरा बाहर ना आकर अंदर की तरफ चला जाता है जो कान के परदे पर जमा हो जाता है जिससे कम सुनाई देने की शिकायत हो सकती है।
3. इयर बड्स के ऊपर रुई लगी होती है, अगर वो कान के अंदर रह जाए तो वो पानी सोखकर कान के अंदर फंगल इन्फेक्शन का कारण बनती है।
4. इयरबड्स बार बार इस्तेमाल करने से कान में खुजली होने लगती है और उसे दूर करने के लिए हमे इयरबड्स की आदत लग जाती है, जिससे कान के अंदर की स्किन छिलने का खतरा रहता है।
5. अनजाने में इयरबड कान के अंदर तक चला जाता है और कान के पर्दे को नुकसान पंहुचा सकता है।
6. कान के अंदर चिकनाहट होती है जो मैल को कान के पर्दे तक नहीं पहुंचने देती लेकिन इयर बड्स से कान साफ करने से ये चिकनाहट चली जाती है जिससे कचरा सीधे कान के पर्दे तक पहुंचकर उसे नुकसान पहुंचा सकता है।

उंगलियों की सूजन दूर करने के लिए अपनाएं घरेलू उपाय!

सर्दी का मौसम में स्किन संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन दिनों में अधिकतर लोगों के हाथ-पैर की उंगलियां सूजने लगती हैं। उंगलियां सूजने पर काफी दर्द होता है और काम करने में भी मुश्किल आती है। कुछ लोगों की उंगलियां बहुत लाल हो जाती है स्किन उतरने लगती है। किचन में मौजूद चीजों से भी आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते है।

मटर: उंगलियों में सूजन आने पर मटर का इस्तेमाल करें। मटर को पानी में उबाल लें। इस पानी में कुछ देर अपनी उंगलियों को डालें। इससे सूजन कम होगी।

शलगम: शलगम को पानी में उबाल लें। इसके पानी से उंगलियों को धोएं। इससे सूजन कम होगी और दर्द से राहत मिलेगी।

सरसों का तेल: सरसों के तेल में नमक मिलाकर अपनी उंगलियों पर लगा लें। इस उपाय को रात में करें। तेल लगाकर उंगलियों को कवर कर लें। सुबह तक उंगलियों की सूजन कम हो जाएगी।

फिटकरी: पानी में फिटकरी और नमक मिलाकर उबाल लें। इससे उंगलियों को धोएं। इससे सूजन कम होगी।

हल्दी और जैतून का तेल: जैतून के तेल में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गर्म कर लें। इसे अपने पैरों की उंगलियों में लगाएं।

बिजली का झटका लगे तो ऐसे करें उपचार

कई बार घर में काम करते समय अचानक से कोई अनहोनी हो जाती है, जिसमें से एक है बिजली का करंट लगना। जब किसी को करंट लग जाता है तो कुछ भी सोचने-समझने की शक्ति खत्म सी हो जाती है। हड़बड़ी में कुछ समझ में नहीं आता है कि ऐसा क्या किया जाएं कि मरीज को डॉक्टर के पास लेकर जाने से पहले कौन-सा ट्रीटमेंट दिया जाए ताकि करंट लगे व्यक्ति की थोड़ी परेशानी कम हो सके है। अगर आपके आस-पास भी कुछ ऐसी घटना होती दिखें और पीड़ित की हार्ट बीट रूक जाएं तो कुछ टिप्स अपनाएं और पीडित की मदद करें।

1. एम्बुलेंस आने तक बेहोश व्यक्ति से मुंह से सांस दें। उसके सीने पर एक फुट दूर से प्रैशर से दबाव बनाएं, ताकि पीड़ित की दिल की धड़कने चलती रहे। व्यक्ति को सीधा लिटाकर पैरों को उपर की ओर उठा दें।
2. ध्यान रखें, जिस व्यक्ति को करंट लगा है उसे खुले हाथों से पकड़ने की कोशिश न करें।
3. तुरंत पॉवर सप्लाई को हटा दें और फिर करंट लगे व्यक्ति को, वहां से हटाने के लिए लकड़ी या प्लॅास्टिक की किसी चीज का इस्तेमाल करें।
4. पीड़ित की सांस चेक करें। कोई भी गड़बड़ी होने पर तुरंत एम्बुलेंस बुलाएं।
5. अगर उस व्यक्ति को होश आ जाएं तो उसे खाने-पीने के लिए कोई चीज न दें। उसको करवट दिलाकर जले हुए या करंट वाले हिस्से पर कोई भी मरहम लगाएं।
6. करंट लगने से कई बार वह हिस्सा सुन्न या लकवाग्रस्त हो सकता है। इसलिए बेहोशी न आने पर भी हेल्थ ट्रीटमेंट जारी रखें।

ध्यान रखने वाली बात

- दो पीन वाले सॉकेट के बजाए तीन पिन वाला रखें क्योंकि इससे करंट लगने का खतरा काफी कम होता है।
- अगर तीन पीन वाला प्लग भी लगा है तो भी इसकी समय-समय जांच कवाते रहे। ध्यान रखें इसके तीनो तार जुड़े हो कोई भी पिन खराब न हो।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

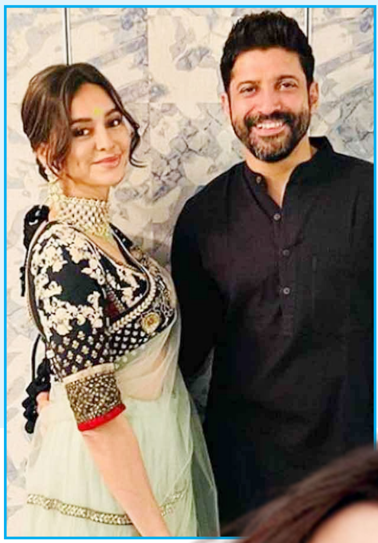

बेहद खास अंदाज में सम्पन्न हुई फरहान-शिबानी की शादी

शादी की बहुत बहुत बधाई... आप सोच रहे होंगे आखिरकार हम किसकी शादी की बधाई दे रहे हैं? तो बता दें कि बॉलीवुड के पावर कपल से मशहूर फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर शादी के बंधन में बंध गए हैं। जी हां, शिबानी दांडेकर अब अख्तर खानदान की बहू गई हैं। फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर ने साल 2018 में एक-दूसरे को डेट करने के करीब चार साल बाद हमेशा-हमेशा के लिए एक दूसरे का हाथ थाम लिया है। काफी समय से इंतजार कर रहे फैंस के सामने अब उनके फेवरेट कपल की शादी की कुछ झलकियां देखने को मिली है। जी हां, दूल्हा-दुल्हन बने फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर साथ में बहुत अच्छे लग रहे हैं। फरहान और शिबानी की ये तस्वीर रिलेशनशिप गोल्स दे रही है। दोनों की खुशी देखते ही बनती है। इस कपल की लुक की बात करें तो सूटेड बूटेड लुक में फरहान हैंडसम लगे, तो शिबानी रेड एंड बेज कलर के गाउन में बेहद खूबसूरत दिखीं। एक दूसरे को काफी लंबे समय तक डेट करने के बाद फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर ने 19 फरवरी को शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों की शादी अख्तर फैमिली के खंडाला स्थित फार्म हाउस में हुई।

प्रसिद्धि खोने का कभी डर नहीं रहा: माधुरी दीक्षित नेने

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने का कहना है कि उन्होंने हमेशा प्रसिद्धि को उदासीनता की नजर से देखा है और इसलिए उन्हें कभी इसे खोने का डर नहीं रहा। माधुरी दीक्षित ने 'अबोध' फिल्म के साथ अपने करियर की शुरूआत की थी, लेकिन उन्हें इसके चार साल बाद 1988 में पहली बार एक्शन-रोमांस पर आधारित फिल्म 'तेजाब' से प्रसिद्धि मिली और इसके साथ ही वह 90 के दशक की शीर्ष महिला अभिनेत्रियों में शुमार हो गईं। साल 2000 के दशक की शुरूआत में भी अभिनेत्री ने 'पुकार', 'लज्जा' और संजय लीला भंसाली की 'देवदास' जैसी फिल्मों में अभिनय का जादू बिखेरा। इसके बाद वह अपने पति श्रीराम माधव नेने के साथ अमेरिका चली गईं। माधुरी ने कहा, मुझे कभी प्रसिद्धि खोने का डर नहीं रहा। प्रसिद्धि मेरे जीवन का एक अलग हिस्सा है। मैं अपना जीवन कैसे जीती हूं, यह किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है। माधुरी ने (54) ने कहा कि वह स्टारडम की चिंता करने के बजाय अपनी कला के प्रति सच्चे रहने को लेकर अधिक चिंतित रही हैं। उन्होंने कहा, सभी का सम्मान करना, अच्छी नैतिकता के साथ काम करना, जीवन में अपने मूल्यों को बरकरार रखना, अपनी कला के प्रति सच्चा रहना - ये चीजें मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं। किसी ने मुझे पहचाना या नहीं। किसी ने मेरा ऑटोग्राफ लिया या नहीं, मैं इन सबमें नहीं पड़ी।

तब्बू संग फिर जमेगी अजय देवगन की जोड़ी

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस तब्बू और अजय देवगन ने साथ में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। अब एक बार फिर इनकी जोड़ी बड़े पर्दे पर धमाल मचाने जा रही है। तब्बू ने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को बताया है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'भोला' की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म तमिल सुपरहिट ऐक्शन फिल्म 'कैथी' का हिंदी रीमेक है। तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की तस्वीर शेयर करते हुए यह जानकारी दी है। अजय देवगन इस फिल्म में केवल ऐक्टिंग ही नहीं कर रहे हैं बल्कि इसे प्रड्यूस भी कर रहे हैं। साल 2020 में ही अजय देवगन ने बताया था कि वह 'कैथी' के हिंदी रीमेक पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म को अजय के कजन धर्मेंद्र शर्मा डायरेक्ट करने जा रहे हैं। तब्बू और अजय देवगन ने साथ में विजयपथ, हकीकत, गोलमान अगेन, दृश्यम, दे दे प्यार दे जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं।